

---

# Shri Sarasvati Prarthana Stotram

---

## श्रीसरस्वतीप्रार्थनास्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Sarasvati Prarthana Stotram 08 22

File name : sarasvatIprArthanAstotram.itx

Category : devii, devI, stotra, sarasvatI

Location : doc\_devii

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 08-22

Latest update : August 15, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 15, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीसरस्वतीप्रार्थनास्तोत्रम्



शुभानि विदधातु नः किमपि पाणिपद्मस्थली-  
विभासिशुकपोतकप्रियवचोभिरानन्दितम् ।  
सुधाकरकलासमुल्लसितशेखरं पद्मभू-  
वशीकरणचातुरीकलितलीलमाद्यं महः ॥ १ ॥

सदा हृदि विभासतां विलसदैन्दव श्रीसरस्व-  
प्रभानिकरनिर्धुताखिलजगत्तमःसंहति ।  
सदातनवचस्तुतातुलितवैभवं दुर्दशा-  
निशातनदयारसाञ्चितविलोकनं दैवतम् ॥ २ ॥

कलकणितनूपुरं कलितदीनरक्षाकरं  
शशाङ्कतशेखरं शमितभक्तदैन्योत्करम् ।  
कदा दुरितदुर्लभं कमलभूमनोवल्लभं  
महोऽहमवलोकये महितसाहितीलब्धये ॥ ३ ॥

रसज्ञहृदयङ्गमस्फुरदसीमभावोदयां  
तदीयरसभावनासमुचितैर्गुणैर्बन्धुराम् ।  
निरर्गलविनिर्गलत्सुरधुनीतरङ्गक्रमां  
विधातृवरवर्णनी वितरताद्वचोवैखरीम ॥ ४ ॥


विदूरय ममापदं वितर भद्रमव्याहृतं  
विधेहि विमलं यशो विरचय प्रसादं मयि ।  
सुधारससहोदरैः शिशिरयान्तरं मामकं  
दयारसतरङ्गितैर्भुवनमातरालोकनैः ॥ ५ ॥


त्वामेव यामि शरणं जगदम्ब वाणि  
शीतांशुखण्डपरिशोभितमौलिभागे ।  
वाचालनूपुरसमञ्चितपादपद्मे  
वाचामधीश्वरि विधेहि मयि प्रसादम् ॥ ६ ॥

भाष्यकारेण रचिता जीयद्वाग्देवतानुतिः ।  
श्रीकालहस्तीशगुरुवर्यपादाब्जसेवया (सेविना) ॥ ७ ॥  
इति श्रीसरस्वतीप्रार्थनास्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

---

——  
*Shri Sarasvati Prarthana Stotram*  
pdf was typeset on August 15, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

